# Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

## (Accredited A++ by NAAC)

## University in News on 14 September 2024

Dainik Jagran
Page - 04

# समरसता निर्माण में नाथपंथ के अवदान पर होगा मंथन

## गोवि के दीक्षा भवन में आयोजित दो दिवसीय संगोष्ठी का आज शुभारंभ करेंगे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : समरस समाज के निर्माण में नाथ पंथ के अवदान पर चर्चा करने के लिए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के दीक्षा भवन में शनिवार से दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का मंच सजेगा। गोरखपुर विश्वविद्यालय और हिंदुस्तानी एकेडमी प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस संगोष्ठी का शुभारंभ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। वह विषय पर अपने विचार भी रखेंगे।

संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता भी कुलपति प्रो. पूनम टंडन ही करेंगी।

संगोष्ठी में उद्घाटन व समापन सत्र के अलावा छह तकनीकी सत्र आयोजित होंगे, जिसमें विभिन्न उपविषयों जैसे नाथपंथ का वैश्विक प्रदेय, नाथपंथीय साहित्य में सामाजिक समरसता, स्वतंत्रता आंदोलन में नाथ पंथ का अवदान, नाथ सिद्ध परंपरा एवं स्वनाथ प्रक्रिया और नाथपंथीय विश्वकोश पर गहन मंथन किया जाएगा। इन सत्रों में देश-विदेश के नाथ पंथ के ख्यातिलब्ध विद्वान हिस्सा लेंगे और विषय पर अपने विचार साझा करेंगे।

संगोष्ठी में उद्घाटन व समापन सत्र के अलावा छह तकनीकी सत्र आयोजित होंगे, जिसमें विभिन्न उपविषयों जैसे नाथपंथ का वैश्विक प्रदेय, नाथपंथीय साहित्य में सामाजिक समरसता, स्वतंत्रता आंदोलन में नाथ पंथ का अवदान, नाथ सिद्ध परंपरा एवं स्वनाथ प्रक्रिया और नाथपंथीय विश्वकोश पर गहन मंथन एवं चर्चा की जाएगी। इन सत्रों में देश-विदेश के ख्यातिलब्ध विद्वान हिस्सा लेंगे और विषय पर अपने विचार साझा करेंगे।

संगोष्ठी की तैयारी का निरीक्षण करतीं कुलपति प्रो. पूनम टंडन, उच्च शिक्षा के प्रमुख सचिव एपी अग्रवाल, कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी व अन्य ■ हौ बीडि

- अलग-अलग सत्रों में विषय पर विचार रखेंगे देश भर के नाथ पंथ के ख्यातिलब्ध विद्वान
- 15 सितंबर को संगोष्ठी का होगा समापन, पद्मश्री प्रो.विश्वनाथ तिवारी होंगे मुख्य अतिथि

**दिव्यांग महिला बुधवंत को कैंटीन की चाबी देंगे मुख्यमंत्री**

संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में हिस्सा लेने से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में दी गयी दिव्यांग कैंटीन का उद्घाटन किया जाएगा। उद्घाटन के बाद महिला दिव्यांग कृपांत तीर को कैंटीन की चाबी सौंपेंगे। कैंटीन संचालित करने के लिए कृपांत का चयन जिला दिव्यांग सशक्तीकरण अधिकारी द्वारा विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुरोध पर किया गया है। इस दौरान मौजूद अन्य दिव्यांगों से भी मुख्यमंत्री मुलाकात करेंगे।

अतिथि प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी और कुलपति प्रो. पूनम टंडन द्वारा एक पुस्तक और एक पत्रिका का विमोचन किया जाएगा। विमोचित की जाने वाली पुस्तकों में डा. पद्मजा सिंह की पुस्तक 'नाथ पंथ का इतिहास और महायोगी गुरु श्रीगोरक्षनाथ शोध पीठ की पत्रिका 'कुंडलिनी' शामिल होगी।

संगोष्ठी में वह विद्वान विषय पर रखेंगे अपने विचार :

मारुत शिवत्रत (उड़ीसा), प्रो. संतोष शुक्ल (जेएनयू), संत शेरनाथ (गुजरात), डा. हंसराज (शिमला), प्रो. सदानंद गुप्त (पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष, उप्र. हिंदी संस्थान), प्रो. कीर्ति पाण्डेय (अध्यक्ष, शिक्षा सेवा आयोग), शशिपधा (अमेरिका), राज राही (न्यूयार्क), सुषमा मल्होत्रा (न्यूयॉर्क) अमेरिका, मीना चोपड़ा (टोरंटो कनाडा), प्रहलाद देवनाथ (बांग्लादेश), डा. सुरेश पुष्पाकर (यूके), एम. तुफैल अहमद (ओमान)।

Amar Ujala
Page - 07

विकास कार्यों का निरीक्षण करतीं कुलपति व अन्य। सौ. विश्वविद्यालय

## उच्च शिक्षा सचिव एवं कुलपति ने विकास कार्यों का किया निरीक्षण

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण शुक्रवार को उच्च शिक्षा सचिव उत्तर प्रदेश सरकार एमपी अग्रवाल व कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने किया।

विश्वविद्यालय में प्राचीन इतिहास विभाग के पीछे निर्माणाधीन नए मूल्यांकन भवन के निरीक्षण के दौरान कार्यदायी संस्था को उच्च गुणवत्तापूर्ण एवं समय से कार्य पूरा करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही विश्वविद्यालय के संत कबीर छात्रावास में बड़े स्तर पर चल रहे मरम्मत कार्यों का भी निरीक्षण किया गया। जल्द से जल्द कार्य को पूरा करने पर जोर दिया गया। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अनुभूति दुबे, अभियंता शशांक श्रीनेत व अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे। सवद

## प्रवेश व पंजीकरण फॉर्म भरने की तिथि 22 तक बढ़ी

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय एवं संबद्ध सभी राजकीय, अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2024-25 में नियमित व स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों (स्नातक, परास्नातक, पीएचडी, डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कोर्स) में प्रवेश एवं पंजीकरण फार्म भरने की तिथि बढ़ाकर 22 सितंबर कर दी गई है। पहले यह तिथि 10 सितंबर थी।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी ने बताया कि पाठ्यक्रमों के तृतीय, पंचम, सप्तम, एवं नवम् सेमेस्टर व परास्नातक तृतीय सेमेस्टर में विलंब शुल्क के साथ 22 सितंबर तक आवेदन जमा किया जा सकता है। संवाद

## गोरखनाथ शोधपीठ में अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी आज, मुख्यमंत्री भी होंगे शामिल

*गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय एवं हिन्दुस्तानी अकादमी, प्रयागराज की ओर से आयोजित 'समरस समाज के निर्माण में नाथपंथ का अवदान' विषयक दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ शनिवार को होगा। बतौर मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मौजूद रहेंगे। दीक्षा भवन में आयोजित होने वाले उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो. पूनम टंडन करेंगी। इस संगोष्ठी में विशिष्ट अतिथि इंदिरा गांधी नेशनल ट्राइबल यूनिवर्सिटी, अमरकंटक के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी होंगे। दो दिवसीय आयोजित इस संगोष्ठी में देश-विदेश के नाथ पंथ के ख्यातिलब्ध विद्वान भाग लेंगे। संगोष्ठी के अंतिम दिन समापन सत्र में मुख्य अतिथि साहित्य अकादमी, नई दिल्ली के पूर्व अध्यक्ष पद्मश्री प्रो. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी होंगे। सत्र की अध्यक्षता कुलपति करेंगी। समापन एवं उद्घाटन सत्र के अलावा छह तकनीकी सत्रों में नाथ पंथ के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की जाएगी। संवाद*

Hindustan
Page - 06

## अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आज शुभारंभ करेंगे मुख्यमंत्री योगी

# प्रख्यात विद्वान बताएंगे नाथपंथ की उपलब्धियां

**आयोजन**

अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी की तैयारियों का जायजा लेते प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा व कुलपति।

**गोरखपुर, निज संवाददाता।** दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय और हिन्दुस्तानी एकेडमी उ.प्र. प्रयागराज द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'समरस समाज के निर्माण में नाथपंथ का अवदान' विषयक दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन शनिवार (14 सितंबर) को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो. पूनम टंडन करेंगी और विशिष्ट अतिथि इंदिरा गांधी नेशनल ट्राइबल यूनिवर्सिटी, अमरकंटक के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी होंगे।

इस संगोष्ठी में देश-विदेश के नाथपंथ के ख्यातिलब्ध विद्वान भाग लेंगे। समापन सत्र में साहित्य एकेडमी के पूर्व अध्यक्ष पद्मश्री प्रो. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी मुख्य अतिथि होंगे और कुलपति प्रो. पूनम टंडन अध्यक्षता करेंगी। संगोष्ठी में छह तकनीकी सत्रों में नाथपंथ के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा होगी, जिसमें नाथपंथ का वैश्विक प्रदेय, साहित्य में सामाजिक समरसता, स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान, और सिद्ध परंपरा शामिल हैं। मुख्यमंत्री द्वारा उद्घाटन सत्र में तीन पुस्तकें और पत्रिकाएं विमोचित की जाएंगी, जिनमें डॉ. पद्मजा सिंह की नाथपंथ पर लिखित पुस्तक और महायोगी गुरु श्री गोरखनाथ शोध पीठ की पत्रिका 'कुंडलिनी' शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, एक दिव्यांगजन कैंटीन का उद्घाटन भी होगा, जिसका संचालन दिव्यांगजन स्वयं करेंगे। प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा एमपी अग्रवाल और कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने तैयारी की समीक्षा की और दिव्यांगजन कैंटीन का निरीक्षण किया।

### दो दिन तक देश-विदेश के विद्वानों से विवि रहेगा गुलजार

नाथ पंथ पर दो दिनों तक चलने वाली अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में देश-विदेश के कई प्रमुख विद्वान शामिल होंगे। संगोष्ठी में उड़ीसा के पूज्य संत शिवनाथ, गुजरात के पूज्य संत शेरनाथ, शिमला के डॉ. हंसराज और प्रो. सदानंद गुप्त, यूपी हिन्दी संस्थान के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष, समेत अन्य विद्वान अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। विदेश से भी शशिपाधा (वर्जिनिया, अमेरिका), राजराही (न्यूयॉर्क, अमेरिका), सुषमा मल्होत्रा (न्यूयॉर्क, अमेरिका), मीना चोपड़ा (टोरंटो, कनाडा), प्रहलाद देवनाथ (बांग्लादेश), डॉ. सुरेश पुष्पाकर (यूके), और एम. तुफैल अहमद (ओमान) अपने व्याख्यान देंगे।

Rashtriya Sahara
Page - 04, 07

## नाथपंथ पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का

# सीएम योगी आज करेंगे शुभारंभ

**गोरखपुर(एसएनबी)।** दीदउ गोविवि एवं हिन्दुस्तानी एकेडमी उप्र. प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में 'समरस समाज के निर्माण में नाथपंथ का अवदान' विषयक द्विदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ शनिवार को विश्वविद्यालय के दीक्षा भवन में पूर्वाह्न 11 बजे से होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ बतौर मुख्य अतिथि संगोष्ठी का उद्घाटन करेंगे। संगोष्ठी का समापन रविवार को होगा।

उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो. पूनम टण्डन दीदउ गोविवि करेंगी जबकि इंदिरा गांधी नेशनल ट्राइबल यूनिवर्सिटी, अमरकंटक के कुलपति प्रो.श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी समारोह के विशिष्ट अतिथि होंगे। 14-15 सितम्बर को आयोजित इस संगोष्ठी में देश-विदेश के नाथपंथ के ख्यातिलब्ध विद्वानों की सहभागिता होगी। समापन सत्र रविवार 15 सितंबर को दीक्षा भवन में अपरान्ह 02 बजे से आयोजित होगा। जिसके मुख्य अतिथि पद्मश्री प्रो.विश्वनाथ प्रसाद तिवारी पूर्व अध्यक्ष, साहित्य अकादेमी नई दिल्ली होंगे। सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो.पूनम टण्डन करेंगी।

**छह तकनीकी सत्रों में होगी चर्चा :** समापन एवं उद्घाटन सत्र के अलावा छह तकनीकी सत्रों में नाथ पंथ के विभिन्न पहलुओं पर ख्यातिलब्ध विद्वानों द्वारा चर्चा की जाएगी। दो दिन के इस संगोष्ठी में छह तकनीकी सत्रों में विभिन्न उपविषयों जैसे नाथ पंथ का वैश्विक प्रदेय, नाथपंथीय साहित्य में सामाजिक समरसता, स्वतंत्रता आंदोलन में नाथ पंथ का अवदान, नाथ सिद्ध परंपरा एवं साधना प्रक्रिया तथा नाथपंथीय विश्वकोश पर गहन मंथन एवं चर्चा की जाएगी।

**एक पुस्तक एवं पत्रिका का होगा विमोचन :** सीएम योगी एवं कुलपति द्वारा इस संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में एक पुस्तक एवं पत्रिका का विमोचन किया जाएगा, जिसमें डॉ.पद्मजा सिंह द्वारा लिखित नाथ पंथ का इतिहास तथा महायोगी गुरु श्रीगोरखनाथ शोध पीठ की पत्रिका कुंडलिनी शामिल हैं। वस्तुतः नाथपंथ का इतिहास पुस्तक महायोगी गोरखनाथ से लेकर वर्तमान तक नाथपंथ के इतिहास का विस्तृत प्रस्तुति है। जिसमें नाथपंथ के आविर्भाव एवं पुनर्गठन का ऐतिहासिक विवेचन किया गया है। इसके अलावा शोधपीठ की पत्रिका कुंडलिनी अर्द्धवार्षिक होगी। यह पत्रिका नाथपंथ, शोध एवं स्वास्थ्य विषय पर केंद्रित है। इसके पहले अंक में देश के विभिन्न शोधार्थियों एवं विद्वानों के 30 लेख प्रकाशित किये गये हैं।

विश्वविद्यालय में होने वाले मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर निरीक्षण करतीं कुलपति प्रो.पूनम टंडन।

- डीडीयू के दीक्षा भवन में दो दिवसीय संगोष्ठी की तैयारियां पूरी
- नाथ पंथ के ख्यातिलब्ध विद्वान देश-विदेश से होंगे शामिल
- समरस समाज के निर्माण में नाथपंथ का अवदान पर देंगे वक्तव्य
- समापन सत्र के मुख्य अतिथि पद्मश्री प्रो. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी होंगे

**दिव्यांगजन कैंटीन का होगा उद्घाटन :** इस अवसर पर विश्वविद्यालय में एक दिव्यांगजन कैंटीन का उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी द्वारा किया जायेगा। कुलपति ने बताया कि दिव्यांगजन कैंटीन का संचालन दिव्यांगजन ही करेंगे। इसके पीछे विश्वविद्यालय का मकसद उनके लिए रोजगार का अवसर उपलब्ध कराना है।

**उच्च शिक्षा सचिव एवं कुलपति ने की तैयारी की समीक्षा:** उच्च शिक्षा सचिव एमपी अग्रवाल तथा कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन ने दीक्षा भवन जाकर तैयारियों का जायजा लिया तथा आवश्यक निर्देश दिए। इसके साथ ही दिव्यांगजन कैंटीन का भी उन्होंने निरीक्षण किया।

Amar Ujala Select
Page - 4

## डीडीयू में सीएम आज करेंगे नाथपंथ पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन

**गोरखपुर।** प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को तीन दिवसीय दौरे पर आएंगे। वह इसी दिन दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में शनिवार 11 बजे नाथपंथ पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद दोपहर बाद गोरखनाथ मंदिर में ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ और ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की पुण्यतिथि के अवसर होने वाले श्रद्धा समर्पण के साप्ताहिक समारोह में शामिल होंगे।

## फॉर्म भरने की तिथि 22 तक बढ़ी

**गोरखपुर।** दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय एवं संबद्ध सभी राजकीय, अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2024-25 में नियमित व स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों (स्नातक, परास्नातक, पीएचडी, डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कोर्स) में प्रवेश एवं पंजीकरण फार्म भरने की तिथि बढ़ा कर 22 सितंबर कर दिया गया है। पहले 10 सितंबर अंतिम तिथि थी। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी ने बताया कि पाठ्यक्रमों के तृतीय, पंचम, सप्तम एवं नवम् सेमेस्टर व परास्नातक तृतीय सेमेस्टर में विलंब शुल्क के साथ विद्यार्थी 22 सितंबर तक जमा कर सकते हैं।

## खेल कोटे से प्रवेश के आवेदन 21 तक

**गोरखपुर।** दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में सत्र 2024-2025 के बीए, बीएससी, बीकाम, एमए, एमएससी, एमकाम व एलएलबी तीन वर्षीय कोर्स में प्रवेश के लिए आवेदन करने वाले ऐसे अभ्यर्थी जिनका प्रवेश परीक्षा की मेरिट के आधार पर नहीं हुआ है। यदि उन्होंने अपने आवेदन पर खेल कोटा का विकल्प चिह्नित किया है तो वह अपने समस्त खेल प्रमाणपत्रों की छायाप्रति विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद कार्यालय में 21 सितंबर की शाम 4 बजे तक जमा कर दें। यह जानकारी विश्वविद्यालय खेल कोटा समिति की संयोजक प्रो. अनुभूति दुबे ने दी।

## अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी आज, सीएम करेंगे शिरकत

### डीडीयू के गोरखनाथ शोधपीठ में होगी संगोष्ठी, समरस समाज के निर्माण में नाथपंथ के अवदान विषय पर रखेंगे विचार

**गोरखपुर।** दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय एवं हिन्दुस्तानी अकादमी, प्रयागराज की ओर से आयोजित 'समरस समाज के निर्माण में नाथपंथ का अवदान' विषयक दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ शनिवार को होगा। बतौर मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मौजूद रहेंगे।

अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन की तैयारी का निरीक्षण करते उच्च शिक्षा सचिव और कुलपति प्रो.पूनम टंडन व अन्य।

दीक्षा भवन में आयोजित होने वाले उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो. पूनम टंडन करेंगी। इस संगोष्ठी में विशिष्ट अतिथि इंदिरा गांधी नेशनल ट्राइबल यूनिवर्सिटी, अमरकंटक के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी होंगे। दो दिवसीय आयोजित इस संगोष्ठी में देश-विदेश के नाथ पंथ के ख्यातिलब्ध विद्वान भाग लेंगे। संगोष्ठी के अंतिम दिन समापन सत्र में मुख्य अतिथि साहित्य अकादमी, नई दिल्ली के पूर्व अध्यक्ष पद्मश्री प्रो. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी होंगे। सत्र की अध्यक्षता कुलपति करेंगी।

समापन एवं उद्घाटन सत्र के अलावा छह तकनीकी सत्रों में नाथ पंथ के विभिन्न पहलुओं पर ख्यातिलब्ध विद्वानों की ओर से चर्चा की जाएगी। दो दिन के इस संगोष्ठी में छह तकनीकी सत्रों में विभिन्न उपविषयों जैसे नाथ पंथ का वैश्विक प्रदेय, नाथपंथीय साहित्य में सामाजिक समरसता, स्वतंत्रता आंदोलन में नाथ पंथ का अवदान, नाथ सिद्ध परंपरा एवं साधना प्रक्रिया व नाथ पंथीय विश्वकोश पर गहन मंथन एवं चर्चा की जाएगी। मुख्यमंत्री संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में एक पुस्तक एवं एक पत्रिका का विमोचन करेंगे। इसमें डॉ. पद्मजा सिंह की ओर से लिखित नाथ पंथ का इतिहास तथा महायोगी गुरु गोरखनाथ शोध पीठ की पत्रिका कुंडलिनी शामिल हैं। इसके साथ ही विश्वविद्यालय में एक दिव्यांगजन कैंटीन का उद्घाटन भी मुख्यमंत्री करेंगे। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि दिव्यांगजन कैंटीन का संचालन दिव्यांगजन ही करेंगे। इसके पीछे विश्वविद्यालय का मकसद उनके लिए रोजगार का अवसर उपलब्ध कराना है।

**उच्च शिक्षा सचिव एवं कुलपति ने की तैयारी की समीक्षा**

उच्च शिक्षा सचिव एमपी अग्रवाल तथा कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने दीक्षा भवन जाकर तैयारियों का जायजा लिया तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिया। शोध पीठ की पत्रिका कुंडलिनी शामिल हैं। इसके साथ ही विश्वविद्यालय में एक दिव्यांगजन कैंटीन का उद्घाटन भी मुख्यमंत्री करेंगे। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि दिव्यांगजन कैंटीन का संचालन दिव्यांगजन ही करेंगे। इसके पीछे विश्वविद्यालय का मकसद उनके लिए रोजगार का अवसर उपलब्ध कराना है।

**देश-विदेश के विद्वान होंगे शामिल :** नाथ पंथ पर दो दिनों तक चलने वाली अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के तकनीकी सत्रों में देश व दुनिया के कई शीर्षस्थ विद्वानों को सुनने का अवसर मिलेगा। इसमें उड़ीसा के संत शिवनाथ, उड़ीसा, जेएनयू के प्रो. संतोष शुक्ल, जेएनयू, गुजरात के संत शेरनाथ, शिमला से डॉ. हंसराज, उप्र हिंदी संस्थान के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. सदानंद गुप्त, उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा आयोग की अध्यक्ष प्रो. कीर्ति पांडेय का व्याख्यान होगा। इसके साथ ही विदेश से शामिल प्रतिष्ठित विद्वान शशिपाधा, वर्जिनिया, अमेरिका, राजराही, न्यूयॉर्क, सुषमा मल्होत्रा, न्यूयॉर्क, अमेरिका, मीना चोपड़ा, टोरंटो, कनाडा, अमेरिका, प्रहलाद देबनाथ, बांग्लादेश, डॉ. सुरेश पुष्पाकर, यूके, एम तुफैल अहमद, ओमान, मस्कट आदि अपना व्याख्यान देंगे।

Inext Page - 04

# पंजीकरण की अंतिम तिथि 22 तक बढ़ी

गोरखपुर(एसएनबी)। दीदउ गोविवि एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2024-25 में स्नातक एवं स्नातकोत्तर के तृतीय, पंचम, सप्तम, एवं नवम् सेमेस्टर में प्रवेश एवं पंजीकरण फार्म भरने की अंतिम तिथि दीदउ गोविवि ने बढ़ाकर 22 सितंबर तक कर दी है। पहले यह तिथि 10 सितंबर तक निर्धारित थी। यह जानकारी देते हुए कुलसचिव ने बताया कि छात्रहित में अंतिम तिथि को विस्तारित किया गया है। विलंब शुल्क ₹ 500 प्रति छात्र निर्धारित है। जो विद्यार्थी निर्धारित अवधि में पंजीकरण नहीं करेंगे वे परीक्षा में शामिल नहीं हो सकेंगे।

# गोरखनाथ शोधपीठ में इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस आज

## नए मूल्यांकन भवन के कार्य में तेजी लाने के निर्देश

गोरखपुर(एसएनबी)। दीदउ गोविवि में चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण उच्च शिक्षा सचिव उत्तर प्रदेश सरकार एमपी अग्रवाल तथा कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने शनिवार को किया। विवि में प्राचीन इतिहास विभाग के पीछे निर्माणाधीन नए मूल्यांकन भवन का निरीक्षण उच्च शिक्षा सचिव एवं कुलपति ने किया तथा निर्माण कर रही कार्यदायी संस्था को उच्च गुणवत्तापूर्ण एवं समय से कार्य पूरा करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही विश्वविद्यालय के संत कबीर छात्रावास में बड़े स्तर पर चल रहे मरम्मत कार्यों का भी निरीक्षण किया गया। जल्द से जल्द कार्य को पूरा करने पर जोर दिया गया। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अनुभूति दुबे, अभियंता शशांक श्रीनेत व अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

- उच्च शिक्षा सचिव एवं कुलपति ने डीडीयू में विकास कार्यों का किया निरीक्षण

**समरस समाज के निर्माण में नाथपंथ के अवदान सब्जेक्ट पर रखेंगे विचार**

gorakhpur@inext.co.in

**GORAKHPUR (13 Sept):** गोरखपुर विश्वविद्यालय एवं हिन्दुस्तानी एकेडमी यूपी प्रयागराज के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित 'समरस समाज के निर्माण में नाथपंथ का अवदान' सब्जेक्ट पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस का शुभारंभ शनिवार को सीएम योगी आदित्यनाथ करेंगे. दीक्षा भवन में आयोजित होने वाले उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो. पूनम टण्डन करेंगी. इस संगोष्ठी में विशिष्ट अतिथि इंदिरा गांधी नेशनल ट्राइबल यूनिवर्सिटी, अमरकंटक के कुलपति प्रो श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी होंगे. दो दिवसीय आयोजित इस संगोष्ठी में देश-विदेश के नाथपंथ के ख्यातिलब्ध विद्वान भाग लेंगे. संगोष्ठी के अंतिम दिन समापन सत्र में मुख्य अतिथि साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली के पूर्व अध्यक्ष पद्मश्री प्रो. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी होंगे. सत्र की अध्यक्षता कुलपति करेंगी. समापन एवं उद्घाटन सत्र के अलावा छह तकनीकी सत्रों में नाथ पंथ के विभिन्न पहलुओं पर ख्यातिलब्ध विद्वानों द्वारा चर्चा की जाएगी.

**देश-विदेश के विद्वानों से गुलजार रहेगा डीडीयू**

नाथ पंथ पर दो दिनों तक चलने वाली अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के तकनीकी सत्रों में देश व दुनियां के कई शीर्षस्थ विद्वानों को सुनने का अवसर मिलेगा. इसमें उड़ीसा के संत शिवनाथ, उड़ीसा, जेएनयू के प्रो. संतोष शुक्ल, जेएनयू, गुजरात के संत शेरनाथ, शिमला से डॉ हंसराज, उप्र हिंदी संस्थान के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. सदानन्द गुप्त, उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा आयोग की अध्यक्ष प्रो. कीर्ति पांडेय का व्याख्यान होगा. इसके साथ ही विदेश से शामिल प्रतिष्ठित विद्वान शशिपाधा, वर्जिनिया, अमेरिका, राजराही, न्यूयॉर्क, सुषमा मल्होत्रा, न्यूयॉर्क, अमेरिका, मीना चोपड़ा, टोरंटो, कनाडा, अमेरिका, प्रहलाद देबनाथ, बांग्लादेश, डॉ. सुरेश पुष्पाकर, यूके, एम तुफैल अहमद, ओमान, मस्कट आदि अपना व्याख्यान देंगे.

**कैंटीन का होगा उद्घाटन**

इस अवसर पर विश्वविद्यालय में एक दिव्यांगजन कैंटीन का उद्घाटन मुख्यमंत्री द्वारा किया जाएगा. कुलपति ने बताया कि दिव्यांगजन कैंटीन का संचालन दिव्यांगजन ही करेंगे. इसके पीछे विश्वविद्यालय का मकसद उनके लिए रोजगार का अवसर उपलब्ध कराना है.